Let’s Understand the Draft Delhi Master Plan 2041
ड्राफ्ट दिल्ली मास्टर प्लान २०४१ को समझे

Heritage

What are the provisions in the Plan?

- Adaptive Reuse as a key conservation strategy; UBBL relaxed
- Heritage Cells to work at local levels for better stakeholder participation
- Heritage TDR for privately-owned heritage properties, including incentivised FAR of 20
- Each concerned agency to maintain a portal of privately owned heritage properties
- CSR funding for strengthening conversation efforts
- Heritage trails to be integrated with nightlife circuits and cultural festivals
- Cultural Precincts to be developed as hubs of cultural enterprise

प्लान में क्या प्रावधान है?

- अडाप्टिव रीयूज़ को संरक्षण की मूलभूत नीति माना गया है; **यूबीबीएल** में भी ढील दी गयी है
- बेहतर भागीदारी के लिए हेरिटेज सेल स्थानीय स्तर पर बनाये जायेंगे
- निजी सम्पत्तियों के लिए हेरिटेज **टीडीआर** होगा, **एफएआर** २० तक हो सकेगा
- हर एजेंसी के द्वारा निजी सम्पत्तियों की एक ऑनलाइन सूची बनाई जायेगी
- संरक्षण प्रयासों के लिए **सीएसआर** का प्रयोग होगा
- सामाजिक गतिविधियों एवं सांस्कृतिक त्योहारों के साथ हेरिटेज ट्रेल्ज़ एकत्रित जाएँगी
- सांस्कृतिक सिवानों को सांस्कृतिक गतिविसधियों का केंद्र बनाया जायेगा

What had the campaign asked for?

- Make LAPs integral to the MPD, so that citizens' are able to develop a sense of belonging to their local heritage
- Allow careful and contextual adaptive reuse
- Encourage educational and research institutions to adopt monuments
- Resync tourism potential of heritage sites with local skills, aspirations, and livelihoods
- Heritage bye-laws at zonal level
- More 'living monuments'
- Ecological significance of monuments and green spaces as civic assets

अभियान ने क्या मांगा था?

- **एलएपी** को **एमपीडी** का मूलभूत हिस्सा बनाना चाहिए, ताकि लोग अपनी धरोहर के प्रति अपनापन महसूस कर सकें
- अडाप्टिव रीयूज़ को अपनाना चाहिए
- अनुसंधान और शिक्षण संस्थानों को स्मारकों की देख-रेख के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए
- ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को लोगों की क्षमता, आकांक्षाओं एवं रोज़गार से जोड़ कर विकसित करना चाहिए
- हेरिटेज बाय-लॉज़ को ज़ोनल लेवल पर बनाना चाहिए
- ज़्यादा से ज़्यादा स्मारकों को **'लिविंग मोन्यूमेंट'** का दर्ज़ा देना चाहिए
- स्मारकों और बगीचों का शहर के पर्यावरण के प्रति योगदान म जाए

What can we suggest?

- Inclusive, multi-sensory access for persons with disabilities
- Conservation strategies must be framed through formation of LAPs
- Adaptive Reuse must prioritize community participation
- Heritage Cells must be made mandatory at zonal levels, and must involve educational institutions
- Augmentation of heritage tourism must be accompanied by equal strengthening of social infrastructure and livelihoods
- Introduce concept of ‘living monuments’ to recognise and encourage community participation

हम क्या सुझाव दे सकते है ?

- दिव्यांगों के लिए बहु-संवेदनशील तरीके से स्मारकों को विकसित करना चाहिए
- संरक्षण नीतियों की रचना **एलएपी** के आधार पर होनी चाहिए
- **अडाप्टिव रीयूज़** को लोगों की भागीदारी के साथ ही बढ़ावा देना चाहिए
- हेरिटेज सेलों की रचना ज़ोनल स्तर पर शिक्षण संस्थानों की भागीदारी के साथ होनी चाहिए
- हेरिटेज पर्यटन का विकास सामाजिक सेवाओं एवं रोज़गार के विकास से सम्बंधित होना चाहिए
- स्मारकों को **लिविंग मोन्यूमेंट** का दर्ज़ा दे कर नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए

Thankyou
धन्यवाद